चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 05 मई 2026, अंक –271.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

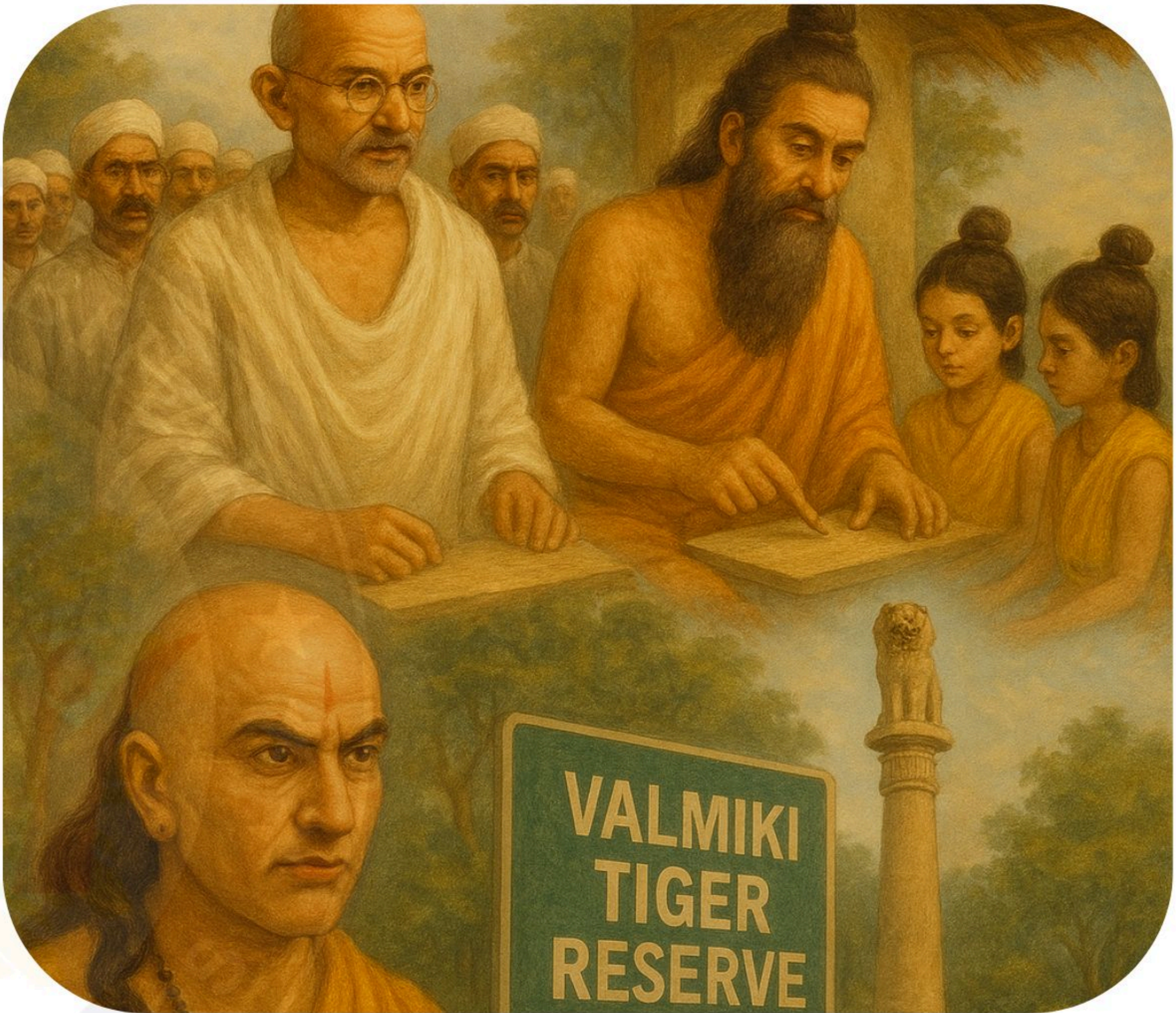

"विजय के लिए केवल साहस ही काफी नहीं है, विवेक भी चाहिए।" — छत्रपति शिवाजी महाराज

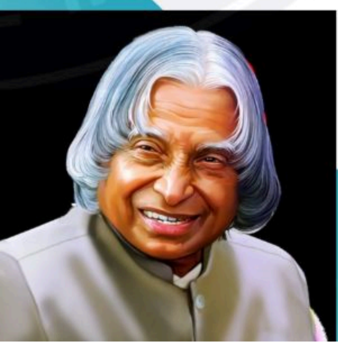

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्विट्ज़रलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: बर्न
प्रश्न 2. भारत के पहले रेल मार्ग (1853) में ट्रेन किन दो शहरों के बीच चली थी?
उत्तर: मुंबई–ठाणे
प्रश्न 3. ओणम पर्व मुख्यतः किस फसल के स्वागत से जुड़ा है?
उत्तर: धान
प्रश्न 4. $2^3 + 3^2$ का मान क्या है?
उत्तर: 17
प्रश्न 5. गंगा नदी बिहार में किस दिशा में बहती है?
उत्तर: पश्चिम से पूर्व
प्रश्न 6. पेंच राष्ट्रीय उद्यान किन दो राज्यों में फैला है?
उत्तर: मध्य प्रदेश–महाराष्ट्र
प्रश्न 7. टेलीफोन एक्सचेंज की अवधारणा किसने विकसित की?
उत्तर: अल्मोन स्ट्रॉजर
प्रश्न 8. भारत में वित्त आयोग का गठन कौन करता है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'विद्यालय' शब्द में कौन-सा समास है?
उत्तर: तत्पुरुष
प्रश्न 10. पौधों में गैसों का आदान-प्रदान किस भाग से होता है?
उत्तर: रंध्र

संकलन:-

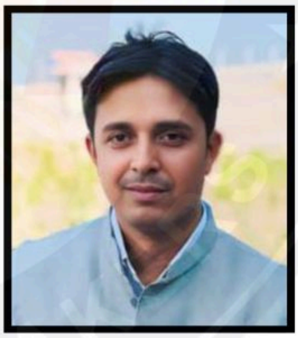

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Kitchen – (किचन) – रसोईघर
2. Stove – (स्टोव) – चूल्हा / गैस स्टोव
3. Utensil – (यूटेंसिल) – बर्तन
4. Plate – (प्लेट) – थाली
5. Spoon – (स्पून) – चम्मच
6. Cup – (कप) – प्याला
7. Meal – (मील) – भोजन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या हम ... रहे/रही हैं?" (Are we ...ing?)

क्या हम पढ़ रहे हैं? – Are we reading?
क्या हम लिख रहे हैं? – Are we writing?
क्या हम खेल रहे हैं? – Are we playing?
क्या हम खा रहे हैं? – Are we eating?
क्या हम सीख रहे हैं? – Are we learning?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 05 मई को 'विश्व हाथ स्वच्छता दिवस' (World Hand Hygiene Day) मनाया जाता है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस का मुख्य लक्ष्य क्या निर्धारित किया गया है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: स्वास्थ्य देखभाल में संक्रमण को रोकना
व्याख्या: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रतिवर्ष 5 मई को यह दिवस स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और दैनिक जीवन में हाथ धोने की महत्ता को समझाने के लिए मनाया जाता है। सही तरीके से हाथ धोना 50% से अधिक संक्रामक बीमारियों को रोकने का सबसे सरल उपाय है। छात्रों के लिए 'सिक्स स्टेप हैंड वाशिंग' (6 चरणों में हाथ धोना) सीखना अनिवार्य है।
संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) कैलेंडर 2026।

2. हाल ही में आयोजित '15वें ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन' में किन नए देशों की सदस्यता को आधिकारिक रूप से प्रभावी माना गया है? (समसामयिकी - अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय/बिहार)
उत्तर: सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और इथियोपिया
व्याख्या: वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स समूह का विस्तार एक युगांतरकारी घटना है। इन नए सदस्यों के जुड़ने से अब यह समूह वैश्विक तेल उत्पादन और जनसंख्या के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए इन देशों के नाम और 'ब्रिक्स+' की संकल्पना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत ने इस विस्तार का पुरजोर समर्थन किया है।
संदर्भ: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार (मई 2026); अंतरराष्ट्रीय समाचार बुलेटिन।

3. "विक्रमोर्वशीयम्" नाटक के रचयिता कौन हैं, जिसमें राजा पुरुरवा और अप्सरा उर्वशी की प्रेम कथा का वर्णन है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: महाकवि कालिदास
व्याख्या: कालिदास गुप्त काल के महान कवि और नाटककार थे। उनकी यह रचना अपनी भाषाई सुंदरता और मानवीय भावनाओं के चित्रण के लिए प्रसिद्ध है। कालिदास को 'भारत का शेक्सपियर' भी कहा जाता है। उनकी अन्य प्रसिद्ध कृतियाँ 'अभिज्ञानशाकुंतलम' और 'मेघदूतम्' हैं।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 1, पृष्ठ 9।

4. पारिस्थितिकी तंत्र में 'ऊर्जा का पिरामिड' (Pyramid of Energy) हमेशा किस अवस्था में होता है? (पर्यावरण)
उत्तर: सीधा (Always Upright)
व्याख्या: ऊर्जा का पिरामिड कभी भी उल्टा नहीं हो सकता क्योंकि ऊष्मागतिकी के नियम के अनुसार, ऊर्जा जब एक पोषण स्तर से दूसरे स्तर पर जाती है, तो वह हमेशा घटती है। केवल 10% ऊर्जा ही अगले स्तर तक पहुँचती है। यह प्रश्न UPSC और BPSC की प्रारंभिक परीक्षाओं में कई बार पूछा गया है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 259।

5. हड़प्पा सभ्यता के किस नगर से 'जलाशयों' (Reservoirs) और जल संचयन प्रणाली के सबसे उन्नत साक्ष्य मिले हैं? (इतिहास)
उत्तर: धौलावीरा (गुजरात)
व्याख्या: धौलावीरा अपनी जल प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रसिद्ध था। यहाँ पत्थर काटकर बनाए गए विशाल जलाशय मिले हैं, जो उस समय के इंजीनियरों की दूरदर्शिता को दर्शाते हैं। यह नगर तीन भागों में विभाजित था और इसे यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में भी शामिल किया गया है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (आरंभिक नगर), पृष्ठ 30।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत का वह कौन सा राज्य है जो 'तीन ओर' से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं (नेपाल, चीन और भूटान) से घिरा हुआ है? (भूगोल)
उत्तर: सिक्किम
व्याख्या: सिक्किम की सामरिक स्थिति अद्वितीय है। इसके पश्चिम में नेपाल, उत्तर में चीन (तिब्बत) और पूर्व में भूटान स्थित है। यह 'सिलीगुड़ी कॉरिडोर' के माध्यम से शेष भारत से जुड़ा है। मानचित्र पर इसकी स्थिति भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सर्वोपरि है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1, पृष्ठ 6।

7. भारतीय संविधान में 'निशुल्क विधिक सहायता' (Free Legal Aid) का प्रावधान किस अनुच्छेद के तहत किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 39A
व्याख्या: 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया यह अनुच्छेद सुनिश्चित करता है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई नागरिक न्याय पाने से वंचित न रहे। यह राज्य का कर्तव्य है कि वह गरीबों को मुफ्त कानूनी वकील और सलाह उपलब्ध कराए। यह 'न्याय सबके लिए' के सिद्धांत पर आधारित है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 43।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें दो या दो से अधिक 'अभिकारक' जुड़कर एक 'एकल उत्पाद' बनाते हैं, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: संयोजन अभिक्रिया (Combination Reaction)
व्याख्या: जब दो तत्व या यौगिक मिलकर एक नया पदार्थ बनाते हैं, तो उसे संयोजन कहते हैं। उदाहरण के लिए, कोयले का जलना ($C + O_2 \rightarrow CO_2$) या लोहे और गंधक को गर्म करने पर आयरन सल्फाइड बनना। यह रासायनिक परिवर्तनों को समझने का प्राथमिक आधार है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1 (रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं

9. प्रसिद्ध 'एलोरा की गुफाओं' में स्थित 'कैलाश मंदिर' किस वास्तुकला शैली का प्रतिनिधित्व करता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: द्रविड़ शैली (राष्ट्रकूट काल)
व्याख्या: महाराष्ट्र के एलोरा में स्थित यह मंदिर एक ही विशाल चट्टान को ऊपर से नीचे की ओर काटकर बनाया गया है (Monolithic Architecture)। इसका निर्माण राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम ने करवाया था। यह मंदिर इंजीनियरिंग और मूर्तिकला का विश्व का सबसे बड़ा आश्चर्य माना जाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 5।

10. बिहार के किस जिले में 'बाल्मीकि टाइगर रिजर्व' (VTR) स्थित है, जो राज्य का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभ्यारण्य है? (बिहार GK)
उत्तर: पश्चिम चम्पारण
व्याख्या: नेपाल की सीमा पर स्थित यह अभ्यारण्य गंडक नदी के किनारे बसा है। यहाँ बाघों के अलावा भारतीय गैंडे, भालू और दुर्लभ पक्षियों का संरक्षण किया जाता है। यह बिहार की 'ग्रीन इकोनॉमी' और पारिस्थितिकी पर्यटन का सबसे बड़ा गौरव है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; SCERT बिहार कक्षा 9 भूगोल।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (मई W1): सड़क सुरक्षा हेतु 'यातायात संकेतों' (Traffic Signs) में 'त्रिकोणीय' आकार के संकेतों का क्या अर्थ होता है? (सड़क सुरक्षा)
उत्तर: चेतावनी संकेत (Cautionary Signs)
व्याख्या: आपदा कैलेण्डर 2026 (मई W1) के अनुसार, सड़क संकेतों को समझना अनिवार्य है। लाल किनारे वाले त्रिकोणीय संकेत हमें आगे आने वाले खतरे जैसे—तीखा मोड़, संकरा पुल या स्कूल के प्रति सचेत करते हैं। इनका पालन करने से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी 2026।

12. 'पुष्प' (Flower) का संबंध जो 'पंखुड़ी' (Petal) से है, वही संबंध 'पुस्तक' (Book) का किससे होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: पृष्ठ (Page)
व्याख्या: यह 'अंश और संपूर्ण' (Part and Whole) की सादृश्यता है। जिस प्रकार पंखुड़ी पुष्प का एक अनिवार्य हिस्सा है, उसी प्रकार पृष्ठ (पन्ना) पुस्तक का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह प्रश्न छात्रों के अवयवों की पहचान और तार्किक विश्लेषण क्षमता को बढ़ाता है।
संदर्भ: NTSE मानसिक योग्यता अभ्यास।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Tackle (टैकल) = Handle (हैंडल) = संभालना / समाधान करना
🔁 Antonym – Avoid (अवॉइड) = टालना
2. Timid (टिमिड) = Shy (शाय) = शर्मीला / डरपोक
🔁 Antonym – Bold (बोल्ड) = साहसी
3. Thrive (थ्राइव) = Flourish (फ्लरिश) = उन्नति करना / फलना-फूलना
🔁 Antonym – Decline (डिक्लाइन) = गिरावट होना
4. Transparent (ट्रांसपेरेंट) = Clear (क्लियर) = पारदर्शी / स्पष्ट
🔁 Antonym – Opaque (ओपेक) = अपारदर्शी
5. Triumph (ट्रायम्फ) = Victory (विक्ट्री) = विजय
🔁 Antonym – Defeat (डिफीट) = हार

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses 'National Technology Day' eve; launches 'Bharat-Drishti' AI-network for real-time monitoring of critical infrastructure.
प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' की पूर्व संध्या पर संबोधित किया; महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की वास्तविक समय में निगरानी के लिए 'भारत-दृष्टि' एआई-नेटवर्क लॉन्च किया।

ISRO successfully completes 'Mission Gaganyaan-2' orbital module recovery trial in the Arabian Sea; major boost for human spaceflight.
इसरो ने अरब सागर में 'मिशन गगनयान-2' के ऑर्बिटल मॉड्यूल रिकवरी ट्रायल को सफलतापूर्वक पूरा किया; मानव अंतरिक्ष उड़ान की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि।

Ministry of Education and NCERT launch 'Vidya-Vimarsh' portal for teachers to share innovative SCERT-aligned digital teaching aids.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने शिक्षकों के लिए 'विद्या-विमर्श' पोर्टल लॉन्च किया, जहाँ वे एससीईआरटी-संरेखित नवीन डिजिटल शिक्षण सहायक सामग्री साझा कर सकेंगे।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations adopts 'Global Digital Compact'; mandates universal internet access and digital literacy for developing nations by 2030.
संयुक्त राष्ट्र ने 'ग्लोबल डिजिटल कॉम्पैक्ट' को अपनाया; 2030 तक विकासशील देशों के लिए सार्वभौमिक इंटरनेट पहुंच और डिजिटल साक्षरता अनिवार्य।

BBC News: Global Climate Observatory reports first-ever decline in atmospheric CO_2 levels due to mass transition to Green Hydrogen.
बीबीसी न्यूज़: ग्लोबल क्लाइमेट ऑब्जर्वेटरी की रिपोर्ट: ग्रीन हाइड्रोजन के व्यापक उपयोग के कारण वायुमंडलीय CO_2 स्तर में पहली बार ऐतिहासिक गिरावट दर्ज।

World Health Organization (WHO) approves world's first 'Multi-Variant Respiratory Vaccine' for emergency use in 50 countries.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 50 देशों में आपातकालीन उपयोग के लिए दुनिया के पहले 'मल्टी-वेरिएंट श्वसन वैक्सीन' को मंजूरी दी।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Innovation Hub' in Muzaffarpur to support student research in Agricultural Technology.
बिहार सरकार कृषि प्रौद्योगिकी में छात्र अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मुजफ्फरपुर में 'राज्य नवाचार हब' स्थापित करेगी; BPSC के लिए महत्वपूर्ण।

SCERT Bihar launches 'Shikshak Samman 2026' portal to identify and reward excellence in primary education across 38 districts.
एससीईआरटी बिहार ने 38 जिलों में प्राथमिक शिक्षा में उत्कृष्टता की पहचान करने और उसे पुरस्कृत करने के लिए 'शिक्षक सम्मान 2026' पोर्टल लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

India wins Asian Wrestling Championships 2026 overall trophy; Aman Sehrawat and Antim Panghal clinch historic golds in the final.
भारत ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 की ओवरऑल ट्रॉफी जीती; अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने फाइनल में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किए।

Ministry of Sports announces 'Mission 2036'; plans to build 10 specialized High-Performance Centers for Shooting and Archery.
खेल मंत्रालय ने 'मिशन 2036' की घोषणा की; शूटिंग और तीरंदाजी के लिए 10 विशेष हाई-परफॉर्मेंस सेंटर बनाने की योजना।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

"स्वच्छ हाथ, सुरक्षित जीवन

(विश्व हाथ स्वच्छता दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विषय था—हाथों की स्वच्छता और स्वास्थ्य। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा— "बच्चों, क्या सिर्फ पढ़ाई से ही हम स्वस्थ रह सकते हैं?"

कुछ बच्चों ने कहा—"हाँ", लेकिन मैडम जी ने समझाया—

"स्वास्थ्य के लिए छोटी-छोटी आदतें भी बहुत जरूरी होती हैं, जैसे—हाथों की सफाई।"

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक छात्र था रोहित। वह खेलकर आता, बिना हाथ धोए खाना खा लेता था। उसकी यह आदत उसे सामान्य लगती थी।

कुछ दिनों बाद रोहित बार-बार बीमार पड़ने लगा। कभी पेट दर्द, कभी बुखार। वह परेशान हो गया।

एक दिन डॉक्टर ने उसे समझाया—

"बीमारी का एक बड़ा कारण गंदे हाथ भी हो सकते हैं। खाने से पहले और बाहर से आने के बाद हाथ धोना बहुत जरूरी है।"

रोहित को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने तय किया कि अब वह हमेशा साबुन से हाथ धोएगा।

धीरे-धीरे उसकी सेहत में सुधार होने लगा। अब वह पहले से ज्यादा स्वस्थ और खुश रहने लगा।

अगले दिन विद्यालय में उसने अपने दोस्तों को भी बताया—

"सिर्फ एक छोटी आदत—हाथ धोना—हमें बड़ी बीमारियों से बचा सकता है।"

मैडम जी ने मुस्कुराते हुए कहा—

"बच्चों, विश्व हाथ स्वच्छता दिवस हमें यही सिखाता है कि साफ हाथ ही स्वस्थ जीवन की कुंजी हैं।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम खाने से पहले और बाहर से आने के बाद हमेशा हाथ धोएंगे।"

🌟 **संदेश : "साफ हाथ, स्वस्थ जीवन—छोटी आदत, बड़ा लाभ।"**

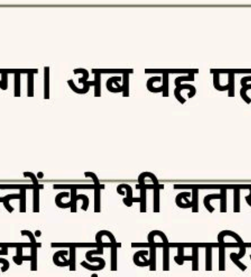

................✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

मध्य चरण (Middle Stage) — अमूर्त सोच और व्यावसायिक कौशल का उदय

शिक्षक साथियों, 5+3+3+4 संरचना का तीसरा पड़ाव यानी 'मध्य चरण' (कक्षा 6 से 8, आयु 11 से 14 वर्ष) शिक्षा का वह दौर है जहाँ छात्र 'मूर्त' (जो दिखता है) से 'अमूर्त' (जो नहीं दिखता पर महसूस होता है) की ओर बढ़ता है। इस स्तर पर विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के विषयों को केवल तथ्यों के रूप में नहीं, बल्कि 'अवधारणाओं' (Concepts) के रूप में पढ़ाया जाता है। यहाँ शिक्षक का मुख्य कार्य छात्र के भीतर 'विश्लेषणात्मक चिंतन' (Analytical Thinking) को विकसित करना है।

इस चरण की सबसे क्रांतिकारी विशेषता है— व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) का समावेश। NEP 2020 के अनुसार, कक्षा 6 से ही बच्चों को कोडिंग, बढ़ईगिरी, बागवानी, बिजली का काम या स्थानीय कलाओं जैसे व्यावहारिक कौशलों से परिचित कराया जाएगा। इसके लिए '10-दिनों का बस्ता-मुक्त (Bagless Days)' इंटर्नशिप का प्रावधान है। इसका उद्देश्य छात्र को केवल 'डिग्री धारी' बनाना नहीं, बल्कि 'हुनरमंद' बनाना है, ताकि वह श्रम के महत्व को समझे और अपने भविष्य के प्रति स्पष्ट हो सके।

उदाहरण:

कल्पना कीजिए, आप कक्षा 7 के छात्रों को गणित में 'क्षेत्रफल' (Area) पढ़ा रहे हैं। पारंपरिक तरीका सूत्रों को रटा देना था। लेकिन मध्य चरण के शिक्षक के रूप में, आप छात्रों को स्कूल के खेल के मैदान या बगीचे में ले जाएंगे। आप उन्हें फीता (Tape) देंगे और कहेंगे कि वे अलग-अलग क्यारियों की माप लें और अनुमान लगाएं कि उसमें कितने पौधे लग सकते हैं। इसके साथ ही, आप उन्हें स्कूल के पास किसी बढ़ई (Carpenter) या राजमिस्त्री के पास ले जाकर यह दिखाएंगे कि वे अपने दैनिक काम में 'मापन' और 'क्षेत्रफल' का उपयोग कैसे करते हैं। यहाँ छात्र गणित को केवल कॉपी में नहीं, बल्कि जीवन की उपयोगिता के रूप में 'महसूस' करेगा।

इस चरण में बच्चों के भीतर शारीरिक और भावनात्मक बदलाव (किशोरावस्था) भी आ रहे होते हैं। एक शिक्षक के रूप में हमारी भूमिका यहाँ केवल 'पढ़ाने' तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें उनके 'परामर्शदाता' (Counselor) और 'मित्र' की भूमिका भी निभानी होती है। इस स्तर पर विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन छात्रों को अपनी रुचि पहचानने में मदद करता है, जो आगे चलकर उनके करियर का आधार बनता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि मध्य चरण में हमें शिक्षा को प्रयोगशाला (Laboratory) और कार्यशाला (Workshop) में बदलना है। यहाँ बच्चा केवल 'श्रोता' नहीं, बल्कि 'कर्ता' होना चाहिए। जब वह अपने हाथों से कुछ बनाता है या किसी समस्या का समाधान खुद ढूँढता है, तभी उसके भीतर का आत्मविश्वास जागता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा छात्रों को किताबी दुनिया से बाहर निकालकर 'कौशल की दुनिया' से जोड़ पा रही है?

.................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

हि विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षको में पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनो ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयो से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 46

रचनात्मकता और तकनीक का संगम – इण्टर के बाद एनीमेशन, VFX और मल्टीमीडिया में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

क्या आपको 'बाहुबली' जैसी फिल्मों के भव्य दृश्य या 'छोटा भीम' जैसे कार्टून आकर्षित करते हैं? आज फिल्मों, विज्ञापनों, गेमिंग और सोशल मीडिया के दौर में एनीमेशन (Animation) और VFX (Visual Effects) विशेषज्ञों की मांग दुनिया भर में बढ़ रही है। यदि आपने इंटरमीडिएट की परीक्षा किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से दी है और आपके पास कल्पना करने की शक्ति है, तो यह चमक-धमक वाली दुनिया आपका स्वागत करने के लिए तैयार है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

- कोर्स के प्रकार: आप इसमें डिग्री (B.Sc in Animation), डिप्लोमा या शॉर्ट-टर्म सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसमें 2D/3D एनीमेशन, ग्राफिक डिजाइनिंग, वीडियो एडिटिंग और डिजिटल आर्ट सिखाया जाता है।
- अर्हता: इंटरमीडिएट (12वीं) उत्तीर्ण। किसी भी विषय के छात्र इसमें जा सकते हैं, बस आपकी ड्राइंग या कंप्यूटर में रुचि होनी चाहिए।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार और भारत के प्रमुख शहरों में इसके बेहतरीन प्रशिक्षण केंद्र मौजूद हैं।

- प्रमुख संस्थान: मैक (MAAC), एरीना एनीमेशन (Arena), और फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII)। बिहार में पटना और मुजफ्फरपुर जैसे शहरों में इसके कई प्रतिष्ठित केंद्र उपलब्ध हैं।
- नामांकन: अधिकांश निजी संस्थानों में सीधे प्रवेश मिलता है, जबकि सरकारी संस्थानों (जैसे NID या FTII) के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है।
- वेबसाइट: maacindia.com, arena-multimedia.com

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस क्षेत्र में काम की कोई कमी नहीं है। आप निम्नलिखित पदों पर कार्य कर सकते हैं:

- कैरियर विकल्प: एनीमेशन फिल्म मेकर, गेम डिजाइनर, विजुअल इफेक्ट्स (VFX) आर्टिस्ट, ग्राफिक डिजाइनर और वीडियो एडिटर।
- रोजगार क्षेत्र: फिल्म प्रोडक्शन हाउस, विज्ञापन एजेंसियां, न्यूज़ चैनल, ई-लर्निंग कंपनियां और आईटी फर्में।
- वेतन: शुरुआती वेतन ₹25,000 से ₹40,000 प्रति माह हो सकता है। जैसे-जैसे आपकी पोर्टफोलियो और रचनात्मकता बढ़ती है, लाखों में सैलरी मिलना सामान्य बात है। आप घर बैठे 'फ्रीलांसिंग' के जरिए विदेशों के प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर सकते हैं।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि यह एक व्यावसायिक (Vocational) कोर्स है, यदि आप किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से डिग्री/डिप्लोमा करते हैं, तो बिहार सरकार आपको ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।
- कौशल विकास योजना: बिहार कौशल विकास मिशन के तहत भी डिजिटल डिजाइनिंग के बुनियादी कोर्स कराए जाते हैं।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: यह क्षेत्र केवल सॉफ्टवेयर सीखने का नहीं, बल्कि आपकी कल्पना को पर्दे पर उतारने का है। यदि आप लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं, तो इसमें अपार संभावनाएं हैं।

कल के पत्र (संख्या 47) में हम मैट्रिक के बाद 'बागवानी (हॉर्टिकल्चर) में डिप्लोमा' के माध्यम से कृषि क्षेत्र में आधुनिक कैरियर की चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,
आपका मार्गदर्शक

...........✍

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

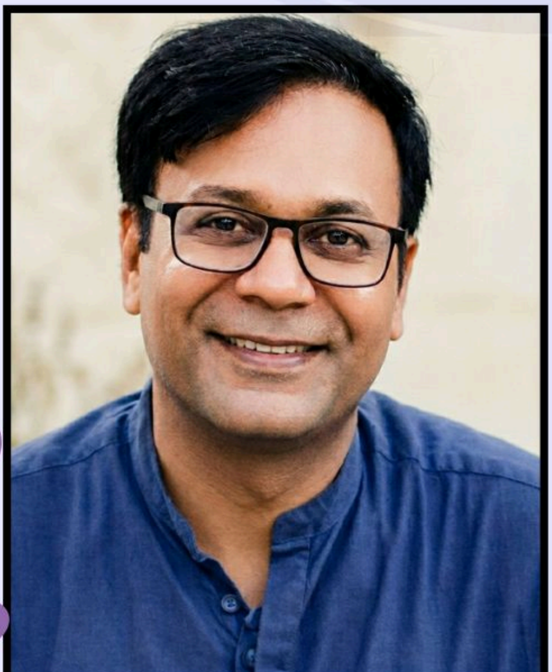

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org